इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1985

14 मार्च, 2013 को उत्तर के लिए

भिलाई इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण

1985. श्री महेन्द्र सिंह माहरा:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) के भिलाई संयंत्र का आधुनिकीकरण कब तक पूरा होने की संभावना है;

(ख) क्या आधुनिकीकरण के बाद एसएमएसआई को पूर्णत: बन्द कर दिया जाएगा;

(ग) यदि नहीं, तो वर्ष 2013-14 में भिलाई संयंत्र द्वारा किस-किस ग्रेड का कितना मैग्नेसाइट उपयोग किए जाने की संभावना है; और

(घ) यह मैग्नेसाइट किस स्रोत से प्राप्त किया जाएगा ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) और (ख): भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) के आधुनिकीकरण और विस्तार का कार्य चल रहा है। यह कार्य पूरा हो जाने पर संस्थापित क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता 3.93 एमटीपीए से बढ़कर 7.00 एमटीपीए हो जाएगी। आधुनिकीकरण और विस्तार योजना के अधीन स्थापित की जा रही न्यू स्टील मैल्टिंग शॉप की स्थापना और उसके स्थिरीकरण का कार्य पूरा हो जाने के बाद स्टील मैल्टिंग शॉप-1 (एसएमएस-1) को समाप्त करने की योजना है।

(ग) और (घ): वर्ष 2013-14 में भिलाई स्टील प्लांट द्वारा उपयोग की जाने वाली मैग्नेसाइट की संभावित कुल मात्रा लगभग 10,000 टन होगी। मैग्नेसाइट की केवल एक ही श्रेणी है अर्थात डैड बर्न्ट मैग्नेसाइट (डीबीएम) और इसी श्रेणी में डीबीएम के आकार भिन्न-भिन्न हैं। भिलाई स्टील प्लांट मैग्नेसाइट की खरीद केवल डीबीएम के रूप में करता है। डीबीएम की आपूर्ति मै0 अल्मोड़ा मैग्नेसाइट लिमिटेड (यूपीएसआईडीसी, टाटा स्टील और सेल का संयुक्त उद्यम) द्वारा की जा रही है।

****